

158



III/निगरानी/अशोकनगर/भू-रा/2017/1855
न्यायालय राजस्व मण्डल मध्यप्रदेश ग्वालियर

पुनरीक्षण प्रकरण क्रमांक

/2017 जिला-गुना

हल्की बाई पत्नी बनवीर सिंह रघुवंशी
निवासी - ग्राम मोहरी सोनेरा तहसील
व जिला - अशोकनगर (म.प्र.)

..... आवेदिका

विरुद्ध

- 1- तुरसाबाई पत्नी मोहन सिंह रघुवंशी
निवासी- बरोद तहसील-आरोन
जिला-गुना (म.प्र.)
- 2- गुड्डी पत्नी रामकृष्ण रघुवंशी
निवासी - ग्राम मोहरी सोनेरा तहसील
व जिला - अशोकनगर (म.प्र.)
- 3- बनवीर सिंह पुत्र श्री अमोल सिंह
रघुवंशी निवासी - मोहरी राय
तहसील व जिला - अशोकनगर
(म.प्र.)

.....अनावेदकगण

चौधरी चरणदास
22-6-17

बनवीर सिंह
22-6-17

चौधरी चरणदास
22/06/17

न्यायालय नायब तहसीलदार वृत्त-2 कचनार तहसील अशोकनगर द्वारा
प्रकरण क्रमांक 17/अ-27/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 29.05.
2017 के विरुद्ध मध्य प्रदेश भू-राजस्व संहिता की धारा 50 के अधीन
पुनरीक्षण।

माननीय महोदय,

आवेदिका की ओर से यह पुनरीक्षण निम्न तथ्यों एवं आधारों पर
न्यायदान हेतु प्रस्तुत है :-

मामले के संक्षिप्त तथ्य :

1. यहकि, अनावेदिका क्रमांक 1 तुरसा बाई द्वारा ग्राम मोहरी सोनेरा में स्थित
भूमि सर्वे नं. 186/1 रकवा 0.282 है0, 251/1 रकवा 0.387 है0, 279/2
रकवा 1.129 है0, 296, 298 रकवा 0.115 है0, 297 रकवा 0.031 है0,
307 रकवा 0.167 है0, सर्वे क्रमांक 314 रकवा 0.240 है0, 319 रकवा
0.031 है0, 333/2 ख रकवा 0.042 है0, सर्वे क्रमांक 333/2ख रकवा
337 रकवा 0.251 है0, 352/1च रकवा 0.518 है0 कुल किता 12 कुल
रकवा 3.193 है0 भूमि में से 1/4 हिस्से की मांग अनावेदिका द्वारा की
गयी थी। जिसके आधार पर तहसील न्यायालय द्वारा प्रकरण क्रमांक
17/अ-27/2015-16 पंजीबद्ध कर कार्यवाही प्रारंभ की गयी।

न्यायालय राजस्व मण्डल, म0 प्र0, ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

तीन/निगरानी/अशोकनगर/भूरा/2017/1855

कार्यवाही तथा आदेश

पक्षकारों एवं
अभिभाकों
आदि के
हस्ताक्षर

252.19

आवेदक के अधिवक्ता श्री धर्मेन्द्र चतुर्वेदी उपस्थित । आवेदक अधिवक्ता के तर्क सुने। प्रकरण में संलग्न दस्तावेजों का अध्ययन किया। अध्ययन से प्रतीत होता है कि इस न्यायालय में आवेदक अधिवक्ता द्वारा नायब तहसीलदार वृत्त-2 कचनार जिला अशोकनगर के प्रकरण क्रमांक 17/अ-27/2015-16 में पारित आदेश दिनांक 29.05.17 के विरुद्ध म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा-50 के अन्तर्गत प्रस्तुत की गई है।

2- म0 प्र0 भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 50 में वर्ष 2018 में किये गये संशोधन प्रभावी दिनांक 25.9.18 के अनुसार संहिता की धारा 50 (2) इस प्रकार है:-

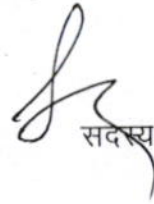
धारा-50 (2) पुनरीक्षण के लिये कोई आवेदन-

(ख) इस संहिता के अधीन निगरानी में पारित किसी अंतिम आदेश के विरुद्ध ग्रहण नहीं किया जावेगा।

3-परिणामस्वरूप इस न्यायालय में संचालित नहीं होने के कारण प्रकरण कलेक्टर जिला अशोकनगर के न्यायालय में स्थानांतरण किया जाता है तथा पक्षकार दिनांक 13/05/19 को उपस्थित हों।

पेशी दिनांक 13/5/19

कलेक्टर जिला अशोकनगर


सदस्य